



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 980]

No. 980]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 9, 2007/श्रावण 18, 1929  
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 9, 2007/SAVANA 18, 1929

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 2007

का.आ. 1382(अ).—जबकि, ग्राम सेवा आश्रम (इसके बाद इसे उक्त आश्रम कहा जाए), ग्रांट ट्रंक रोड, गाजियाबाद द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग (इसके बाद इसे उक्त आयोग कहा जाए) को 75,39,000/- (पचहत्तर लाख उन्तालीस हजार मात्र) स्पर्य की राशि देय है।

और जबकि, खादी और ग्रामोद्योग आयोग नियम, 2006 (इसके बाद इसे उक्त नियम कहा जाए) के नियम 30 के उप-नियम (2) के अधीन यथा उक्त आयोग ने 15 जनवरी, 1990 को उक्त आश्रम को नोटिस जारी करते हुए उक्त नोटिस की प्राप्ति से 30 दिन के अंदर उक्त आयोग को 75,39,000/- (पचहत्तर लाख उन्तालीस हजार मात्र) स्पर्य की राशि का भुगतान करने का निदेश दिया था। असफल होने पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम, 1956 (उक्त नियम के उप-नियम (2) के साथ पठित 1956 का 61) की धारा 19 अधीन उक्त आयोग भू-राजस्व के बकाया राशि के स्पर्य में वसूली की कार्रवाई करेगा।

और जबकि, उक्त आश्रम उक्त आयोग को 75,39,000/- (पचहत्तर लाख उन्तालीस हजार मात्र) स्पर्य की राशि के भुगतान की दायित्व पर विवाद करते हुए उक्त आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को अभ्यावेदन किया था और नोटिस में उल्लिखित भुगतान की राशि को चुनौती देते हुए उक्त आयोग के विरुद्ध इलाहबाद उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका सं. 30035/07 दायर की थी।

और जबकि उक्त मामलों की सुनवाई के बाद इलाहबाद उच्च न्यायालय ने दिनांक 9 जुलाई, 2007 को आदेश पारित किया और यह उल्लेख किया कि उक्त आयोग के मामले को खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम, 1956 (उक्त नियम के उप-नियम (2) के साथ पठित 1956 का 61) की धारा 19 के संदर्भ में उक्त राशि के भुगतान के दायित्व और अस्वीकृति पर निर्णय करने के लिए एक अधिकरण गठित करने हेतु मामले को केन्द्र सरकार को भेजा जाए।

अब इसलिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग नियम, 2006 के नियम 30 के उपनियम (2) के राथ पठित खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 61) की धारा 19ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एक अधिकरण का गठन करती है जिसमें एक व्यक्ति नामतः श्री एम.एल.शर्मा अवर सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 होंगे, और उक्त अधिकरण को अधिनियम की धारा 19ख की उप धारा (1) के आशय से ग्राम सेवा आश्रम, ग्रांड ट्रंक रोड, गाजियाबाद द्वारा देय राशि का भुगतान उक्त आयोग को करने के मामले में निर्णय करने का विवादास्पद प्रश्न उक्त अधिकरण को सौंपती है।

उक्त अधिकरण विवादास्पद मामले का निर्णय यथाशीघ्र लेकिन अधिक से अधिक सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 2 महीने के अन्दर करेगा।

उक्त अधिकरण का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

[फा. सं. सी-18019/7/2007-केवीआई-II]

शंष कुमार पुलिपाका, संयुक्त सचिव

#### MINISTRY OF MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 9th August, 2007

**S.O. 1382(E).**—Whereas, a sum of Rs. 75,39,000 (rupees seventy five lakh thirty nine thousand only) is payable by the Gram Seva Ashram hereinafter referred to as the said Ashram, Grand Trunk Road, Ghaziabad to the Khadi and Village Industries Commission ( hereinafter referred to as the said Commission);

And whereas, as required under sub-rule (2) of rule 30 of the Khadi and Village Industries Commission Rules, 2006 (hereinafter referred to as the said rules) the said Commission caused notice dated 15<sup>th</sup> January, 1990 served on the said Ashram directing them to pay the said sum of rupees seventy five lakh thirty nine thousand to the said Commission within thirty days from the receipt of the said notice failing which the said Commission will proceed to recover the same as arrears of land revenue under section 19 B of the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956 (61 of 1956) read with sub rule (2) of rule 30 of the said rules;

And whereas, the said Ashram has disputed its liability to pay the said sum of Rs. 75,39,000 (rupees seventy five lakh thirty nine thousand only) to the said Commission, represented to the Chief Executive Officer of the Commission and filed a writ suit bearing number 30035/07 before the Allahabad High Court against the said Commission challenging the liability to pay the amount as demanded under notice;

And whereas, after hearing of the said case, the Allahabad High Court passed the order on the 9<sup>th</sup> July 2007, and stated that the case of the said Commission may be referred to the Central Government for constitution of a Tribunal to decide and as to denial liability to pay the said sum in terms of section 19B of the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956 read with sub rule (2) of rule 30 of the said rules;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 19B of the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956 (61 of 1956) read with sub-rule(2) of rule 30 of the Khadi and Village Industries Commission, Rules, 2006, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of one person, namely, Shri M.L. Sharma, Under Secretary, Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and refers the question of dispute to the said Tribunal for deciding about the payment of dues by the Gram Seva Ashram, Grand Trunk Road, Ghaziabad to the Khadi and Village Industries Commission within the meaning of sub-section (1) of Section 19B of the said Act.

The said Tribunal shall submit its report to the Central Government as soon as possible but not later than two months from the date of publication of this notification in the official Gazette.

The headquarter of the said Tribunal shall be at New Delhi.

[F. No. C-18019/7/2007-KVI-II]

SESH KUMAR PULIPAKA, Jt. Secy.